

राज
कॉमिक्स
विशेषांक
मूल्य 40.00 रीखा 620

छोटा नागराज

नागराज



नागराज को बचाओ का
दुसरा छोड़ दे बच्चा!
बली उसको बचाओ के
चक्कर में नु अपनी भी
जान देवा देगा।

क्योंकि आज पूरे
संसार के लड़के
मिस्ट्रस के मेरे
बच्चे के टोपन कम
रहे हैं। अमेरिकी
के राष्ट्रपति पद को
लेकर उसका की
कंपनि का मुक के
अध्यक्ष मेरे बूट हैं।

पूरी दुनिया
को अब बीन
के टोपन करना
है।

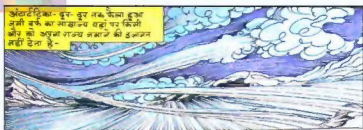
कथा: जितेंद्र सिंह
चित्र: अनुपम सिन्हा
संयोजक: विनोद कुमार
सुनील एच एच
मुनिषा चण्देय
सम्पादक: मनीष गुप्ता

नागराज को धोखे से
हराकर पूरी दुनिया को अपना बनाते
वाले बीन, नु सक बात भूल रहा
है!

और वह यह कि
लुकाके रोकते के बिना रुक नहीं
तोन- नील शरबस अभी भी
आजाद हैं। मेरे दोस्त साहू
और फेरीमैन और मैं खुद...

छोटा नागराज

अंटार्कटिका - दूर-दूर तक फैला हुआ
जमी बर्फ का महासागर वहाँ पर किसी
और को अपना राज्य जमाने की इजाजत
नहीं देता है -



बस कभी-कभी वहाँ पर
डुक्का-डुक्का इंसान नजर आ
जाते हैं -



या मफेद भालू जैसे
कुछ जानवर -

और कहीं-कहीं बर्फ की मफेद याबर
पर उभरी हुई ये सलब-निर्मित इमारतें -

जो ऐसे वैज्ञानिकों से भरी रहती हैं
जो अंटार्कटिका के क्षेत्र में शोध करके
नई संभावनाओं का पता लगाने रहते हैं -

इस ज्ञान बाजार में न तो अपराध
रहता है और न ही अपराधी -



इसीलिए आपाध-विज्ञानकों को कभी बाएं पर जाने की जरूरत ही नहीं पड़ती है-

बैजो भी उनके पास आपाध को मिटाने के आभवा और भी ब्यास होते हैं-

ये... ये मज्जु को ने नहीं है न बेबाबाई ? ये रिपोर्ट काई बिपांक का ही है न ?



तुमको डाक क्यों हो रहा है, बाबासा ?

क्या तुमको बिपांक से कुछ और ही उन्मील थी !

हैं... नहीं !

बैजो भी बिपांक ने पढ़ने से पढ़ाई कभी की ही नहीं ! फिर इसी एक खत में वह आधुनिक शिक्षा प्राप्त कर रहा है !

और फिर भी उसने हर विषय में पूरे के पूरे नंबर पास हैं ! कलात्मक है ! यानी अब वह पहली कलात्मक से दूसरी कलात्मक में चला जाएगा ! ये 5555



ये रिपोर्ट काई पांचवीं कक्षा का है, बाबासा !

क्या ?

बिपांक ने पहली ही बार में पांचवीं कलात्मक का परीक्षा दिया है ! पर कैसे कर्ज ?

क्योंकि मासिक परीक्षाओं में इसके टीचर को लगा कि बिपांक पहली कलात्मक के अनुसार कुछ नयादा जानता है !

इसीलिए उन्होंने उससे पहली कलात्मक के साथ-साथ पांचवीं कलात्मक का पेपर भी दिभवाया !

और उनका कहना है कि विष्णु अंतरा इंसानों की बड़ी कक्षा की परीक्षा देना तो ही वह पूर्ण और सत्कार उन्नीत होना।

यानी कुछ सबको लेकर चला होगा ! परन्तु विष्णु के पास ये ज्ञान, ये सूत्री जीवन है। यह कहें ?

बहुत पुस्तक को देवा करके पुस्तकों को कबुल करता है और हर पुस्तक उसके विष्णु में छपना जाता है।

कुछ सारी जगहें पहले जग विष्णु विष्णु जग में नया-नया आया था तो कुछ विचारियों ने उसके बाल काटने की चेष्टा की थी ! पर विष्णु के, वास्तव में उनके हाथों को जलकुकुल उसको बंदी बना लिया था !

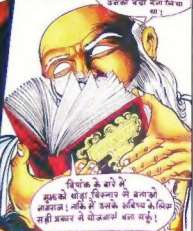


मैं सिर्फ इतना बता सकता हूँ कि विष्णु के पास कुछ अद्भुत प्राकृतिक और यौगिक प्रक्रियाएँ हैं।

उसके विष्णु के अनुसार उसको हजार पुष्ट की एक पुस्तक वास्तव में सिर्फ चंद्र सिद्ध बनते हैं।

विष्णु अपने जन्म से ही अद्भुत बालक है वेदाचार्य। दरअसल उनका जन्म एक चंद्रयंत्र के सहित हुआ था ! विष्णु के कोई प्राकृतिक सहायिता नहीं हैं। उसका जन्म एक कुत्रिम यंत्रिक सहायता में हुआ था ! और ऐसा यंत्र-ज्ञान गुरुदेव ने साबुद्धी के उद्देश्य यानी राजा की सत्ता और शासक की कोशिका को जेबकर किया था ! ७

गुरुदेव ! यानी तुम्हारे पुष्ट सत्ता अंतर साहचर्य का बहुवचनकारी गुरु ! पर ऐसा करने, उसका क्या किया ?



विष्णु के बारे में मुझको थोड़ा विस्मय से बताओ साहचर्य ! नकि मैं उसके अविषय के लिए सही प्रकार से योजनाएँ बना सकूँ !



विष्णु के नाचने लगे। और
माराही के राजा मरिचाल की अन्त
के भिक्षु से हुआ था। दूसरी
विष्णु के नाच में ही माराही का उन्त
धिकाही उस हाथ था और उसका अध
रिना होने के कारण माराही का नाच
ही के रक्तासे पर अधिकार हो
गया था।



ओह हां! अब तुम्हें
सब याद आ गया। मैंने ही तो
उस भिक्षु को एक तिन्त्रिन्त्र में
परबकर उसके शरीर से माराही
की कोशिकाओं को बच कर
विद्या था।

लेकिन भगता है कि -
कोशिकाएं बच होने के बाद भी
उनके अद्भुत गुण विष्णु के शरीर में ही
रह गए हैं। और माराही मरिचाल की
भस्म में मौजूद जीवन तन्त्रों के साथ मिल
कर उन्होंने विष्णु में अद्भुत शक्ति
जागृत कर दी होगी।

विष्णु का
मायात्मक बालक की
नरह पावन-प्रेम
करता भी माराही
है माराही। माराही
है कि ईश्वर ने
उसको किसी रक्त
कास के लिए भूत
पर भेजा है।



बस, एक ही दिक्कत
है। यह बात तो नहीं है।
जो न बात, माराही कि
वह कोशिका विष्णु
है।

ए...
ए...

ए...
ए...

ए...
ए...



तुम तो बाप
रह हो।
पर कैसे?

इन्हीं और मु
झ विष्णु की
सागराज! वही
होना खराब की
जायगा! और
तुम नहीं बाप
जाओगे।



सिक्खु! ले ये
तुम्हारा बख है।

घर, जाई दिव्य
येसे जागराज!

वही तो किया है
मैंने! इसकी राईज
के पीछे एक बाधन
महापुरुष मीनदेवर
को विपन्न दिया है!
और एक महामुक्ति
इसके दांतों में फिट कर
दिया है।

पर तुमने किता
बख है? तुम तो
कंधुपुत्र सम्पापद
हो, डीकटर नहीं।



ये दोनों ही जीने
बाधो-कलजी से चलती
हैं! यानी इनको बचाने
लेखक इनकी विधांक के
छीर से ही मिल
जायगी।

विधांक के दाते में
होने वाली साधुकी से
साधुकी हरकत को ये
सौफदेवर भाप मेरा और
उसको आवाज में बदलकर
स्वीकार के मीन सबके
अनो नक पहुंचा देगा।

कुली अब विधांक बोल रहेगा
और हम सब मुन सकेंगे।
ये तो
कुलज
हो बख।



सागराज!

ये तो भारती की
आवाज है!

मैं अभी नहीं आ
सकता भारती!
अभी मुझको विधांक
से टेर सारी जाने
करनी है।

विधांक से बाते? दिशाग
खराब हो सका है तुम्हारा!
जल्दी आओ! अर्जेंट मीटर है!

ओफफो!
आता हूँ!

अब तुम खुड़ी
से चिल्लाकर बंद करो तो तो
मुन सबको ब?



क्या हुआ, भारती?
तुम्हारे बेहोर पर हज़ारों
क्यों उड़ रही हैं?

आभी- आभी सिमरन का
नेट लुट्टा चोज पर बीबिले
मैसेज आया था!

और चोज कटने के
हीक चहुले जीवितो चोज
के कैमरे में जो कट
किया बहुत ये था...

हे भगवान!
ये क्या है?

लेकिन वो मे अंटीटिका गई
हुई है न? बाहों पर मौजूद इंजियर मेम
लैब पर कोई प्रोद्योग बनने!

वहीं से ही उसको
चोज आया था! बीच
में ही चोज कट गया!

पता नहीं!
लेकिन इनका जकार
पता है...

...कि सिमरन
के साथ- साथ कहां
मौजूद हर इंजन
की जगह रखने में है!



तब तो मुझको
तुरंत बाहों पर
पहुंचना होगा!

मैं अभी हेलीकॉप्टर का
इंजनल करती हूं। वह मुझको
आठ घंटे में अंटीटिका की
लैब लैब में पहुंचा देगा!

कुछ ही देर बाद-

अपना दकान
रखना मतलब!

इनका बहुत नहीं
है भारती! मैं अपने जलमर्
मित्रों की मदद लूंगा! वे मुझको
हेलीकॉप्टर से कहीं जल्दी पहुंचा
देना!

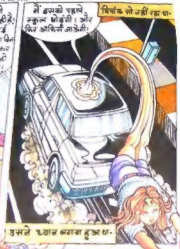
चिन्त मत
करो भारती!

मैं जल्दी ही
लौटूंगा! और अच्छी
सबर के साथ लौटूंगा!



उदास मत हो विप्लव!
महाराज जल्दी ही वापस आ
जाएगा! तब तक मैं और तुम
बातें करेंगे!

अरे! ये तो मे
रा गा! अच्छा ही है!
आज इसकी बड़ी
मुलायम का पहला दिन
है! वो हा रेमर का
लेस मैं ड्राइव हो
जाऊंगा!



मैं इसको पहले
मुकुल धोबंड़ी! और
किर ओकिरि जाऊंगी!

विप्लव तो नहीं रहा था-

इसको ड्राइव करने
की मुसीबत का
भागी हो रहा था-

इसीलिए वह महाराज पर नजर
रखना चाहता था-

उसने चोरा नजर लगा हुआ था-



और इसको बल्लभ भागी नहीं हो रहा था-



क्योंकि पहलवा काफ़ी बुरा
था-

कहा महाराज के
साथ ऐसा करना
जल्दी है?



कहीं हमें सावधान पर
हसाया करके? आखिर सुने
आर? साया काउम ने नहीं
कर रहे हैं?

जहाँ: सावधान को बंदी गार्डन में हलका
हलक इस सिस्टम पर कभी कुछ नहीं
कर सकते जो हलक दुनिया को चलाता है।
अगर वह सिस्टम रहा तो हलका
सिस्टम सब मर कर दूना:

तो अब हमको
आपने सिस्टम पर
काल शुरू कर
दली चाहिए।

बिनाकुल सत्री: आपकी
प्रयोगशाला की इस सहाय्यी जोन
को छोड़ दो इस दुनिया में:

वे जानकर हल
दुनिया के हर इस पर को दक्षिण
करते जो दुनिया में अपनी अद्वितीय
रचना है।

किर अरेडो दोरे वे
और दुनिया बनेगी हमारे अंदर
पर: और वे बनेंगे हमारे
अंदर पर:

एक बिल्कुल सही। लेकिन ये सीधा सादा और निरपेक्ष आ प्लान तुम्ही कामकाज को संकटा है... अब समस्या का निराकरण करना ही होगा।"

चन्द्रकाश चौकन्ने। तुमने मुझसे जिस अनिसे कहा तक तक घटि में ही पहुँचा दिया है अभी देर में तो आधुनिक विज्ञान का कोई भी अतृप्त मुझसे नहीं पहुँचा सकते थे।



अब तुम देख घबरी देर यहाँ इन्टर काल में सामना निपटारा अभी करना होगा।



वह रहा अतृप्त वरुण! लेकिन यहाँ पर तो आति अति गरी है।



उपरोक्त वरुण वरुण जो भी थी, वरुण होकर तुम ही अब गरीब हो।

વા
કાળ વાલ
નહીં!

પૂં દેવ વાલસાવી
વે નો... વે નો
મક, મકનિય
આયુ છે. નોકિય
કામ કી વે સામાન
કેમે હો મક
દે

"વિશાંક! વિશાંક! અરે, ડહો વિશાંક! ૯"





अच्छा है! बचाने का काम तो सिर्फ़ी! पहले तो बचाने का काम करना है, फिर इस लड़की को इन मुठभेड़ों से बचा देना!

बचाने का काम तो सिर्फ़ी! पहले तो बचाने का काम करना है, फिर इस लड़की को इन मुठभेड़ों से बचा देना!

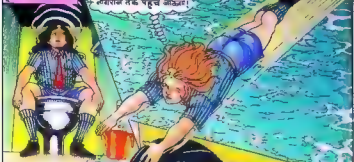
यह बचपनी जो ली थी, उसको बचपनी की तरह ही जकड़ना नहीं थी।

अच्छे बच्चे तो बचपनी में सिर्फ़ी नहीं होते!



विशाल इस लड़ाई ने
दूर, १ घण्टा में छ-

बस कुछ ही देर में मैं
लक्ष्मण तक पहुँच जाऊँगा!



ओफ़, लॉयलेट के
लौक में चाबी लगी थी
और इन लड़कों ने चाबी
को घुमाकर नोड दिया है।
अब ये दरवाजा कैसे
खुलेंगा? अंदर में तो
कोई आदमी भी नहीं
आ रहा है।

हे फ्रेंड,
तुम ठीक सोच
ने? और यू ऑन
गैट?

TOILET



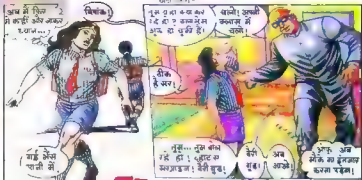
अब यू ऑन
गैट? अब
दे

लॉयलेट के
दर के मार देना
ही गया है।

देना जो स्कोलर
ही होगा। बिना
चाबी के

और ये काम
कैसे करना है
ये लड़कों पर





अब मैं फिर
मे कहीं और जाऊंगी
ह. यहाँ...

बिचक!

गह्रें भैंस
पानी में!

तुम वहाँ क्या कर
दे हो? काले में
आव हो चुकी है।

बचो! अपनी
कमर में
चलो!

ठीक
है सर!

तुम... तुम क्यों
रहें हो! प्लाट का
मनग्राहक! बेसी चुब!

बेसी
गुड!

अब
अच्छे!

अच्छे अब
मैंके का हुनकर
करना पड़ेगा!



"आपका नागराज को मेरी
सद्वृत्ति की जानकारी ही न पड़े!"

ये सब किसी
पक्षपात का हिस्सा
नहीं है!

आपका कपू
बदलना और
मुझको यहाँ पर
बुलाना जाना सब
पहले से न था
था।

पर व पक्षपात
रचा किसने है और
वह क्या हासिल
करना चाहता है!

धुंध

तुम मेरे का जलद
मुझको नहीं शिथिल न हो
जिन्दा रहूँगा!

पर इस लड़
के बाहु जैसे दुर्बल लड़के
का हाथने पर क्या है!

पर इस क्षण में ये अज्ञान
जागृत हो आई कहाँ से?

यह इंडियन मिशन इस
क्षणांक में बीस मलों में है और
आज पहली बार किसी सफेद आधु
ने यहाँ पर हमला किया है। क्योंकि
आज तक पर सफेद आधु जान होते हैं
और अदमियों पर हमला करने
हैं और न ही इसको पकने हैं:

मेरे सूर्य क्षण में तीन दिनों
के बीच के इस मापक में अज्ञान
कायदा सिद्ध नहीं होगा।

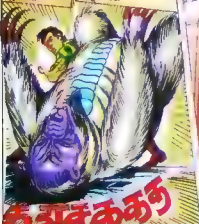
विषयकार भी टीकी होकर
नसती जा रही है और अपने
अपने नहीं दिखता ग रही
है:



यही इसको पूरा
कुछ ही स्थिति में
आधु में करना होगा।

आज्ञान के इस क्षण
को सफेद आधु मह
नहीं पाए-

रीढ़ की हड्डी कड़कने
की आवाज इस क्षण कायदा
में सुन रही-



कड़कककक



अब इसका अज्ञान
भी करवाना पड़ेगा
मेरे ज्ञान की शक्ति
मन के लिए छोड़
नहीं जा सकता

अज्ञान वह भी मेरे
क्षेत्र में मौजूद है जिसके
और पिछले में करवाना
है कि ये अब
मूर्खता है



अरे! यहाँ पर तो
अभी बेहोश पड़े हुए है!

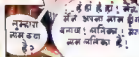
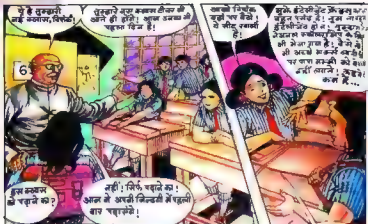
अंदर की हवा में
अजीब सी गंध है!
बेहोशी की वजह
क्या है!

यानी यहाँ पर बहुत
बड़े अस्त्रों की हवा
आ रही है! पर
क्यों है यह?

किसी ने यहाँ के
अस्त्रों की डिजिटल
मिटरों में गैस
धरी है!



और वह तो सो
है, वह नज़र
देवा नहीं आता





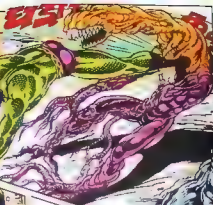
जबारात

ओह! अब मजह में आप कि भाव हमरी आसानी से हार कैसे गया? दरअसल वह मुझसे लड़ नहीं रहा था! बल्कि खुद हर्द में मड़प रहा था! क्योंकि ये जीव उसके अंदरूनी हिस्सों को खाकर खुद बढ़ा ही रहा था!



कभी मेरा असली
मुश्किल इस परजीवी
से है...

और अगर मुझको इन
पहुंचने को रचना के तक
पहुंचना है, तो मुझको
परजीवी को पराजित
पहुंचना ही पड़ेगा.



किर तो मुझको
के शरीर के बाहर परजीवी
दुखों में ही खतरा बन सकता
है! इसको भी हट कर सकना
है.

पहले मैं बहुत
इलाज का तरीका
सोचना हूँ और फिर
अपने के विषय में
हाथ डालना हूँ!



क्या संभावना
है? परजीवी
खतरा को हम
पारना छ नहीं!



तो प्रतिक्रिया
संभव है: इस परजीवी
की खसबिल ही दुनिया के डरों
को खतरा बढ़ा रहा है कि
जैसे वह शरीर पर फट भाग
का ही...

...या मुझको
का! इसको जहर-बहर
से कोई फर्क नहीं
पड़ता!

इसको मेज़
बनाए है और मैं इसको
खतरा करने का तरीका भी
जानता हूँ!

नम तो सिर्फ
नहीं लज के बरतने
का नकाजा है...

जहाज के बिस पर जीवी की आकृति का एक रहस्य थी।

मुझको पता नहीं है कि ये मुझको कहां मुकामल पहुंचा सकता है। लेकिन मैं इसको मुकामल पहुंचाने में पहले ही खन्स कर दूँगा।

तेजाकु



और इसको अंतर्दृष्टि की उम ठंडी बर्फ में डफन कर दूँगा जहां पर इसके जैसे घानक जीवण वृत्त नक निक्षिप रहे रहते हैं।

कुड़कु



और अब मैं देवुंगा उस चतुर्प्रखरी को।

वह तो कोई भी नहीं, मेरे अग्रपक्ष ही है।



सहस्रों पर व
मि... म...
म... म...

मैं इस जिन्हा रहना चाहने हो तो सीधे आओ।

मूस जिन्हा रहना चाहने हो तो सीधे देरओ, मसाराज।



आइसबर्ग! बर्फ का टुकड़ा
पहाड़ की परतों से ढकेल
नहीं कर पाया, और अब इनसे
अपने आंसों से डरीर के अंदर
घुस दिम है

सिर्फ घुसाऊ नहीं है
लगातार! अब ये अंधे
नुस्खारे अंदर बर्बंद
रिड की जहाँ की नक्का

और नुस्खारे हर अंधे
नक्काही हुए लप में
घुसकर वेग की
नुस्काही अंधी के
गो जानेंगे जैसे जड़
बकी न से अपना
पाप खोजनी
है!

इनसे बचना
मेरे लिए असुली से
काम है, बच्चे

मुझसे सिर्फ
इच्छाधारी कण से
बदला है और...

... और ये भी नुस्खारे माध
कल कर्ण से बदल जानना क्योंकि
इस वकत ये नुस्खारे डरीर का
ही सक अब है

आइसबर्ग!
यह तो मैं जान
ही जान था! इनसे
मेरे बाहर में रूनी
स्टडी कर रखी
है!

अब मैं क्या करूँ
अपने आपकी बचाव
के लिए?

जलजल के रक्त में ही पैदा होने वाले
सूक्ष्म सर्प बड़ी जंगलों में जंगलों में
बढ़ती जंगलों को मुकाबला कर रहे थे



परन्तु परजीवी के अंग उनसे ही अपना
आहार बनाते जा रहे थे-

जलजल की लकड़ों को परजीवी
बहुत तेजी से पीस कर खा रहा था-



आसस है! इतनी
अपमानक ढंग में मैंने
अब तक तो अपने आप
को संभाले रखा था; पर
अब मेरी लकड़ें जवाब
दे रही हैं!

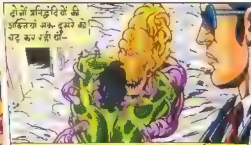
वेसं हम सभी एक तरह
के परजीवी ही हैं! किसी न किसी
को खाकर ही जीवित रहने हैं.

और बाहू, ये कैसा
अपमान! मेरे दिमाग में
आया है न इरादा ये रक्ताल
ही मुझसे बच सके; अगर
हम सभी परजीवी हैं तो
मेरे साथ ही तो परजीवी
ही हैं!

अब बस ये देखना है
कि परजीवियों की जगह में
कौन जीतना है!

जलजल के हाथ परजीवी
के शरीर को खदने हुए अंतर घुस गया-

और उनकी कलाबुजों में से
बेकालार सर्प निकलकर
परजीवी के शरीर में फैलकर
उसके अंगों को निहयने लगे-



दोनों प्रविष्टियों की
आकृतियां एक-दूसरे को
चद कर रही थीं-

अब ये निर्णय समय को ही करना था कि इनमें से अंत तक कौन खड़ा रहेगा?

और अगर वे निर्णय कर लें-

परजीवी का शरीर जमीन पर
गिरकर सिकुड़ना लगा गया-

हा हा हा वही
या मुम्बई के
दूर के लोग हैं
जो नहीं
देखें

बहुत अच्छे जवानों
हैं तुमसे वही डम्पल
थी! तुम वो छोटी-छोटी
लड़कियाँ जीत गये,

यप पट्ट
हम जीते

हम एक नहीं
लगावत...

हम?
खपता व्यक्त
सुधारो!

सक नहीं
अपने आपकी 'हम'
नहीं, 'मैं' कहता है!

... हम
अनेक हैं

और कुछ ख
होता है!

कुछ मतलब
नहीं आ रहा है
सब कुछ बेमक
ला रहा है!

पहले भाइ, फिर
परजीवी और अब
बच्चों की खेल

वेने इन बच्चों से निपटना
... आइस...



बस, बहुत ही रात!
अब मैं इसका बर्तन में
हमलावरों की तरह ही
निपटूंगा

भीषण ठंड से लालात्र के
शरीर और विभक्त पर
आर हावला डारू कर दिख
हा

और हमलावरों के झड़ने का
नरीकी यह नाक-साफ बलात्का
छा, वे जैमिस्मिन् नहीं ठपकत हैं

पर लालात्र
उम्लावों का
हमलावर छ-

नाकन में और
मरवनी में



उमकी सोच और
शरीर की कुर्नी दोनों ही धीमी गड़ गड़ें हैं-



आइस...

नूकालों और बर्फीली चढ़ाव उस
बच्चे के पेट में घंसती चामी गई-

ओह! यह कैसे क्या
किया? अंजाने में एक
साजसज के प्रभाव ने लिया!

जैसे
साज करने!

क्योंकि इस
कार नहीं सकते!

क्या?

साजसज के बिना वह एक और फलक है-

और अब उसके सामने
एक ही शकल बचा था-

एक अंशुला जवाही दुसका-

क्योंकि, हमको
इसमें कोई उबरना
नहीं है!

हमंसक सर्पों के कार
साब करने के होते रहे-

पर दुश्मन, साजसज की तरफ दृष्टि
रहे-

ओह, हमंसक भर
हमने सुना है हमें क राग
में! पर हम हमने बचने
की कोशिश नहीं करेंगे!



लेकिन ये आदम जे तक
नहीं पहुँच पावे-

कड़क

बच्चे, बच्चे ही रहेंगे। मैं
हमपाक, सर्प मुझ पर नहीं, उस बर्षियाँ
परन पर छोड़ रहा था जो मुझ के इस
पाती के ऊपर अभी दुई है!

औन जाम:

मैं मुझसे दुखाने का
हुनकार ही कर रहा था,
आननाज, अब तक मुझसे
मुझ को क्यों नहीं बुलाया
था?

क्योंकि मुझारी डीत अलियाँ
ही अब तक मेरे ऊपर को इस
कड़ कड़ानी टेंड में बुला रही
थी। मुझसे अभीर में बाहर
आने ही मेरा डीत जमान
भरता है।

कुछ ही पलों बाद
असर हमारा वर मुझ
अलियाँ के २ में थे-

अब मुझ फटाफट
पत्ती में हुबने इन बच्चों के ऊपर
बर्फ की आदी परन जमा दी!

अब इससे पहले कि
कोई और खतरा आए, हमका
लेव के कर्म चारों ओर पत्ती में
जीना होगा।

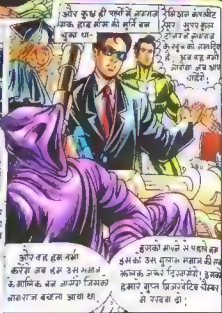
रेस्कव
हेलीकॉप्टर अब
आना ही होगा!

अब...
ओह...

अब मुझ मुझ पर
जोसी जमाना जोसे!

आओ जाहगुन
भरना है मुझसे
जीन चक्रा बहुत
मुझिल है!

चक्राओ



कुछ ही पलों के बाद मारुज
का अगिर व म दूजि का की
ल मी से दूर हो जाते व नी था

ही। - स्पेस कागज के
लेब से दूर अंतरिक्ष
के ठंडे अंतर में सीधे
उत्पी रहु -



और जब रेस्क्यू
हेलीकॉप्टर, मैचनक
पहुँचा तो-

घरस मेंबर !
सुसारी न्यूज टीवी
के साथ-साथ न्यूज
के बैलूनिक और कर्मचारी
भी बेहोश थे ! एक क्षण
की कटी फटी खोड़ी भी
पास में मिली है ! लेकिन
आगराज का कहीं पता
नहीं है !



काम पूरा हो जाने के बाद मुकल
आगराज की खबर नहीं है !

बहुत कड़ी और अचरार्थ
का बिनाहा करने के लिए धन्य
वादा होगा, मुझे इसकी फिक्र
नहीं करे ! हमारे स्टाफ के लोगों
के साथ-साथ लैब के कर्मचारियों
की भी लेने आओ, उनको नुरंग
मेडिकल महाविद्यालय पहुँचाती
जल्दी है !

आगराज को अंटी-टॉक्सिन
में सेना कोज सा मैनेजमेंट
इस जो बहुत बड़े मुकल को
स्ट्रोक के बारे में खबर
किस बड़ा में गावर हो
इस ?

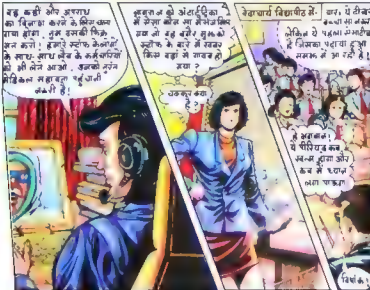
चककर क्या

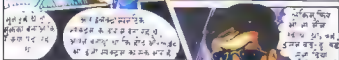
वेदाचार्य विद्यापीठ में-

घर, ये टीबल
बैठाया था मैंने
लेकिन ये पहला समारोह
है जिसका पदार्थ हुआ
ममक में आ रहा है !

आगराज !
ये पीरियड कब
स्व-म होगा और
कब में पदार्थ
लगा पाऊंगा

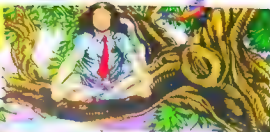
विशाल !





कुछ ही पलों के बाद
विश्व के एक अलग-अलग
आकाश पर उड़कर एक जगह
पर उतरा था।

वहीं लड़कियों की
हाजिर वृत्त मुझसे बेम
नहीं पड़ता; मुझे कहें
पर भी ही, मैं उनको
अपने वृत्त निकटवर्ती।



कुछ ही पलों के बाद
विश्व के एक अलग-अलग
आकाश पर उड़कर एक जगह
पर उतरा था।



इस लंबे से तो
कोई भी नहीं है।
मैं तो है सही
दोनों को पूरा में
चुके हैं।

पर लड़कियों तो बस
नहीं था! उनसे अलग
को भी आर दया है।
छात्री वह वहाँ का काम
पूरा कर चुका था। फिर
आखिर वह क्या कहें?

अगर वह लड़कियों वापस
और चुका हो तो मुझसे
आभास उठकर हो जाते।

मुझको अपनी सेहत
को वापस बंदी का हवा।

मानस नरेश की रानि
प्रकार का मैं ही कहूँ गुला
नेज होनी है, और इस
रानि पर उड़ने हुए विपरीत
के मानस रूप ने कुछ
ही सिखाता है पूरा उनको
को आनंद का गे गे।

कसाल है! लड़कियों का
कहीं कोई पल नहीं है।
मुझे उसकी मानस नरेश
नक नहीं शिखर रही है।

आखिर वह है
कहो पर?





कालांतर! तुम्हारे
कलांतर बड़े काम के हैं,
बीन! इन्होंने लालच
की भावसे बड़ी कमजोरी
का फायदा उठाकर
इसको सुशुजाबस्था में
पहुंछा दिया है!

और वह कमजोरी
है मित्रों! जनता को
बचाने के लिए अपनी
जान तक की दांव पर
लगा देना!

अब अपने मित्रता
पर काम शुरू कर दो,
पूरी बुनिया के हर सहज-
पूर्ण पक्ष पर लम्हारे
झरोखे बैठे होना चाहिए।

बढ़ जाऊ तो पहले
ही शुरू हो चुका है, मेरे
रहस्यमय पार्टनर!

लेकिन जरा सोचो,
इस बच्ची को कौन सहज-
पूर्ण पक्षों पर क्यों बिछाया?

लालच के कारण! हमें मान
पैसा चाहिए, शौकर चाहिए है
और तरकीब चाहिए है! तुम्हारे कलौते
के दिमाग में भरा हंटरमैट का पूरा जाल
उसकी इसी दृष्टि को पूरा करो! और
जब मानने को इनसे फायदा होगा तो वे
इसको सारे काल के काल तक पर रखकर
मित्र आँखों पर बैठानगे!

लेकिन बापूने ही क्यों ?
अगर वे कलोन न थे होते तो
हमारा का आ आना ही
संभव ।

हालांकि, वे कलोन हुंजलों
के आकर बड़े दुःख हुआ मेरी मे
बताने हैं, लेकिन फिर भी
हमारे पास दुःखी असमानता
है कि हम हुंजलों के बड़े होने का
दुःख न करें ! वाद रेवरी,
मासगाज के अन्धकार और भी
सेमे सुपर ही मे हैं जो हुंजलों
से मे विवाद अकते हैं !

पर एक बार जिसका
के कलोन के कलोन के
के बाद हम हुंजलों
अपने दुःखों पर
समाप्त करने हैं। मेरा
मक में बंद कर
मकने हैं ! वाद रे
अन्धकार सुपर कर
मकने हैं !

और फिर बड़े अकते
अन्धकार के मे जानें अन्धकार
कारी होने हैं ! हुंजलों
अपनी मान असमानता
आ जानें हैं !

नम्र कलोन
सहज में
मेरे होते ही,
पार्टीवर

पर एक
शान्ति
लोकोप
ही !

पर वह अन्धकार को फिदा
नम्र को निम्नी कलोन से ?

नम्र को हुंजलों को
अन्धकार कैसे बलवान ?

हुंजलों अन्धकार बलवान ताक
शाण्ड उस कोडिका में थे,
तो मेरे नम्र को कलोन
बलवान के लिखती ही !

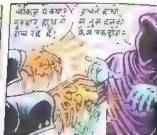
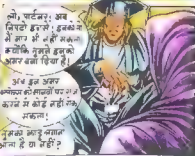
हालांकि, कलोन
तो मेरे कलोन ही
बलवान मकान पर
पर मेरी तकनीक
अन्धकार पुरानी है
एक बार मे मक
ही कलोन बलवान
मे !

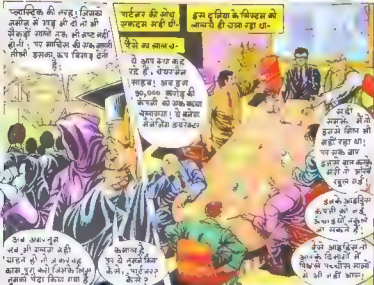
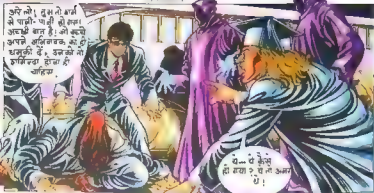
पर नम्र एक आधुनिक
सहज कोडिका में थे ! नम्र को
पास मेरी तकनीक है जिससे नम्र
एक संध ही देर सारे कलोन बलवान
सको !

सबकुछ आज ही
जान लोश तो आगे बात
जानने के लिख कुछ बचेगा
ही नहीं ! बात के बलवान
मे दृष्टान्त मकान !

देखो कि नम्र को
कलोन सिस्टम पर
कलोन करने में सफल
हो भी पर है
है ख बड़ी !

हम
सिस्टम पर
कलोन तो
अन्धकार को !





अरे तो! तुम तो बर्बाद से पासी-पासी हो गए। अच्छी बात है! जो कच्चे अपने अजिजाद को ही धमकी दें, उनके तो डमिन्दा होना ही चाहिए।

ये... ये कैसे हो गया? ये तो असमंजस है!

पार्टनर की ओर एकदम मड़ी थी-

इस दुनिया के सिस्टम को जांचने ही उल्टा रहा था-

पैसे का साथ था-

ये आप क्या कह रहे हैं, वेयरमैन साहब! अब इस 90,000 करोड़ की कंपनी को एक कया खत्म कर देंगे! ये ब्रैक मैनेजिंग डायरेक्टर

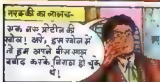
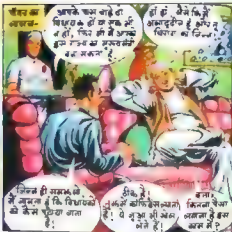
मड़ी ममसे मैं तो इनसे मिल भी नहीं रहा था! पर एक बार इनसे बात करने मरी तो ज़ाब रबुल गई!

उनके आँखों का पसी को लई ऊँचा डरों तकले जा सकने है!

वेसे आइडिस तो आप के दिमागों में बिछाये पच्छीस सालों में भी नहीं आया!

अब अश्व नुस सब भी बचता नहीं बाहने हो तो जकर वह कास पुरा करो जिसके बिना नुसकी पैदा किया गया है

किसाब है पर ये नुसने किया के मे, 'पार्टनर? कैसे?



बिना किसी दुकान के जाने दे,
और ब्यान्स का प्रिन्टिंग दुकान
के बिक्री सिस्टम पर काम करने
रहा था -

दो विधायक राज
भी मराम बचव राज्य के
मुन्सिपल बने, उनकी दो
विधायक वाली पार्टी को हमारी
पार्टी के 52 विधायकों का
मम धर्म जान है, उन्होंने उनका
मम हक व वरुह वर्ष के मक
नरुह के को प्रकन किया
है -

--- कार्योके लैव ने
अपना C D मोहन वरु
के मधु कुम को बनाया है।
दुनिया की बीम मरुमें
वही के पत्रियों में मे
वाहुर के मम-डी.
अहमद वरु में
जी रो के मम के वा
व बिका है।

कमल है। मम-
मक वे सुपर
है बीनेट मरुमें
की वैन कहीं मे
आ गई २ कम
मक बचवामुमकी
भी मिलने कदवा
था; भारती
कडवुमिकेडोस का
मम-डी. वरुने के
मिना; अहमिद
कीने है वे बचवो



ये बचवो मक राजम
अनधामय के है। इसको बीन नाम
के मक मरुमें मेरी बचवो है। उन्होंने
ही मक मेरी मरुमिकारी पदाई का मरीक
ईजाद किया है। जो बचवो को मम का
मंजार बना देना है।

मैंने भी मक महीने
पहले वही के मक बचवो को
टीचर नियुक्त किया था। अब
उनकी कार्रवाई के कारण मैं उसके
मकुम का प्रिंसिपल बनाने जा रहा हूँ।

कमल है। मक ने
मुझे भी इस बचवो में
मिलना लड़िका था जो
ओरिस में आया था।
मम मरु की मलाह के
वहो में उसके कोई भी
पद नहीं दे सकती।

और नाराज को मारता
हूँ आज मक महीने मे
मंजाद मरु हो गया है।
अब तो मुझको विमल
हो रही है।

क्योंकि आज मक
नाराज मेरी किसी मूचना
के बने दिनों मक मरु
नहीं रहा है।

मुझको भी इनने दिनों मे
नाराज का कोई पता नहीं
मिला है। नाराज मरु को
पयने में है।

पर मैं क्या करूँ किससे मलाह करूँ
मिलनू; यन। सिन्धु मेरी मरु
मरु करेगा।





पुस्तकें पुस्तकें
 हैं, विष्णु ! मैं १००
 भक्तों के भक्तों के
 हृदयों के हृदयों के
 सन्तों के

लोड़ी में लोड़ी कि लड़
को भी कुछ की कि लोड़ी में
लड़ कर सकना है, और
लोड़ी लड़ना है कि लड़
लड़ना लड़ना लड़ना लड़ना
की लड़ना लड़ना लड़ना
कर सकना है.

1. $\frac{1}{2} \times \frac{1}{2} = \frac{1}{4}$
 2. $\frac{1}{2} \times \frac{1}{2} = \frac{1}{4}$
 3. $\frac{1}{2} \times \frac{1}{2} = \frac{1}{4}$
 4. $\frac{1}{2} \times \frac{1}{2} = \frac{1}{4}$
 5. $\frac{1}{2} \times \frac{1}{2} = \frac{1}{4}$

मेरी मेर पाज
और भी आखिरी हो
जिन्का अन्तिम मुकाम
भी पता नहीं है।

मैंने ऐसी ही साधना की
इसने मे पुर अंतर्द्विक
पर आरागज की खोज की थी
पर न रीज भी निकला।

पर नाराज कैसे कहा
 राख न हो सकता है। कोई न
 कोई निकल नो अकर होरा न
 राट कर, विषाक, राट कर
 नमन को न को नो गरा
 अकर देखा होरा नो दसा
 अवद कर सक।

मैंने जो कुछ भी
देखा था, वह अभी भी मेरे
दिमाग में छा रहा है। मैं गलत
बन फिर से उसे पूरा कर दूँ।
को भूलना है। डाकू...

विषांक के दिमाग में अंतर्राष्ट्रिक
की ग्लोबल सफाई का फिज घुमने लगी; और-



ओह! मुझे ठीक कर दो ये सिल्लम मुझे। इसका मैंने एक बड़ी चीज मेडिस की है। बर्फ के एक टुकड़े के पीछे कोई फूल हुआ था।

"एक सुपर चाइल्ड-"

कौन?

"... २ २"

"हं, मुझे सिखाओ मेरी ही चीज मेडिस"



सुपर चाइल्ड! और वह तो फुला हुआ। ज़ाती उसके डल टैरीक नहीं थे। ज़ाती... इन सुपर चाइल्ड्स का संबंध गलतज्ञ के साथ रहने में है। वरना, हमको एक सुपर सिद्ध बताया था।

यह एक सुपर आन पहेली का सुलझा रही है। गलतज्ञ के साथ होने में तो मेरी भूमिका है। उदाहरण के लिए...

चलाने में मदद करने हैं। होमिलोज में पिछला भगवान हैं। साध में काक ग्री



और फिर-

हां! अब दिनांक चयन नहीं है। मुझे! अगर सुपर चाइल्ड्स में लक्षण है तो गायब किया है, सब तो गढ़बढ़ है!

कैसी गढ़बढ़ है

उन्होंने दैनिक की ज़ारी पीवर अपने लहजे में ले ली है। मेरे में अगर हम उनको सिखाए, हम में व हमको साथ आ सकते हैं। और कोई कुछ पुछना भी नहीं

भविष्य भूत भूतों के पता ही न चलें कि हम को न हो तब २

जैसे कैसे हो सकता है ?
हमने अगर सुपर किड्स का
हस्तक्षेप करने की बुनगी सी
भी सोझा की तो वे किसी
न किसी तरह हमको हट
ही देंगे।

लेकिन अगर 'हम' वे
कास 'कोर्ट और' बनकर
जरे तो क्या होस ?

और अगर सुपर किड्स
जो कुछ पता चला भी तो
वे हमारे गुप्त रूप को
हटने बह जायेंगे।

जैसे अभी हम
सातवांन को हटवेंगे
! अगरन जे का भी
कोई गुप्त रूप नकर
होस !

कहीं वह अपने
गुप्त रूप में हमारे
आभास ही न
नहीं है ?

दुनिया
में नका है...

यस वरुनी, हम सुपर
हीरो न की तरह अपनी मक' सोकर
आवु बरिडी बनसंगे।

मक गुप्त
रूप !

नहीं, सिम्पल ! वह
कोई भी रूप धर ले, पर
अपनी सामाजिक, तरेल को
ने लही धृण मकनी है।

मुझे इसकी
सामाजिक
तरेल का भी
कोई पता
नहीं चला।

ओ-के, वाली यह
मथ ही मक कि, हम
मक गुप्त रूप बनायेंगे
और सुपर किड्स का
पान मककर सातवांन
को हटवने की सोझा
करेंगे ! वाली

... हम सुपर
हीरो बनसंगे !
खह 515

पर में सुपर हीरो के म
बनसंगे ? जर बास नो कंडे
पैवर भी लही है, बुरे
पैवर के, सुपर हीरो
कैसा ?

कहा ? धुव
बुरे सुपर हीरो
के सुपर हीरो
हैं न

उसके पास भी
मिफ, वाली है
तो नुकरा पास
है मक, न ज
दिमस।



अब हमने
मक रूप है कि
जु पोजाकों
की

और मक
जम नो न
की

दुनिया के सिस्टम पर कसने
सुपर किड्स के डिक्टेरे का
असर अब मानने टिरवाने
लगता था -

दुनिया अब छटपटाने
लगी थी -

ये! झूट सचो है बच्चे ने
अभी राक़ हचने पहले ही
तो ये हम दुकाई को दो
सौ रुपया से ले गया
आ!

हमें डिनियाम मत पछा!
डम दुका की सिसन लंच को
रुपया है! मेरी है तो ये दुका
चलना बंद! ओ, दुका
ले ही कास बढ़ा दिया है
दम कदा करे?



पर... पर हम
दुका के बंदीर तो मंग बच्चा
मर जायगा! येसा मत करना
मेरे पाप येने नहीं है!

दुका दु
हो -

मेरे बच्चे की
आंख बचाऊंगा तो मैं मर
जाऊंगा आई!

मो मे!
अपना कास
कर



मेरे बच्चे से पहले
तु मरेगा! अला तुने
दुकाई नहीं दी
तो

सकत तुम और नुटो को
सारी दुकाईयां! अब सन
आधा कास बढ़ा दिया!
अंधेर सचा रहती है
कसली ने

अब मेरे मुँह किड्स
आस है नबस हम हारी
का अंका मुद्रिकर हो गया
है! हर चीज को धीरे
बना लिया है इन लोगो
ने

हमारे पाप भी
इसका मवाब है
खरीद न पकने को
नुट ओ!



पुलिस, यहाँ पब्लिक
मेरी दुकाई नुट रही है
हां, जी! कलन गंड पर
चारस सैडिकोज! जल्दी
आइस

पुलिस में भी 'मुपर किटुन' की पुस्तकें हो चुकी थी-

सभी रुक जाओ, और बूटा हुआ आम कापस दुकान में रख दो। वरना मुझको दंगा मेकनेके निम्न अटल आदत का अंदाजा दंगा चढ़ाया।

PART

दंगा : इस दंगा में ही क्या रहे हैं। अन्यथा को अंदाजा दे रहे हैं।

वैसे तो यह काम अलग-अलग बसूटी करता था। पर उसकी अनुमति से ये काम हमको खुद ही करना पड़ेगा।

अरे, ये क्या बलबलवा !
ऐ ही ना मक मुपर किटुन ही है। उसी का आईडेंट जिसने इस कंपनी का काम ही, बलबलवा काम बढाया है।

सब मुझे इसकी !
इसकी मुझे तो इसारे परिचार बीसारी में सब भासने।

तो फिर सते ! मे
अद की कामुन व्यवस्था
अ बिलकुल सारी दुका

इत दि बूटा

दंगा : अब दुनिया को सिस्टम अपनी हद तक इसारेकने में आ चुका है। पुलिस, फ्लिटीमिन इंस्टीटयुट, जेजेस, जैसे हर महत्वपूर्ण पद पर हमारे मुपर किटुन बैठे हुए हैं।

अब दुनिया को सिस्टम बहाल कर सकने हैं। लेकिन उस स्थिति में भी वे ऊपर मुपर किटुन से जीत नहीं सकते। न्यायालय को पहले ही गत्ये में हवावा आ चुका है।

"अब दुनिया काफ़ी बड़े हमले शिकारे से कोई नहीं बच सकता-"

"कूट दू किम!"



जहाँ, अपने सन्तान का दुखी के अनुसार हो नुस दुखी साव लहीं सकने, ...

... सिर्फ शिफार कर सकने हो।

और उसके बाद नुसके दुखी नमानन पर ओड़ना पड़ेगा, नुसके.



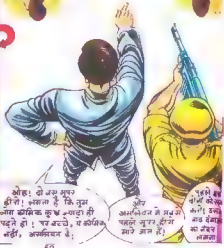
कौन हो नुस ?

राज कनिष्ठ

नुसारे दुखीन छेला नारायण...



... ओ बह ! ने कि कल हीरो की तारे देव रा...



ओह! दो जस मुवर हीरो! नमान है कि नुस नारायण कुछ नुसही ही पढ़ने हो। पर बट्टे, ये कनिष्ठ नही, अमरिषयन है;

और अमरिषयन ने अब से पहले नुस, हीरो नारे जत है।

पहले वह नुस के लो करे! उन्ने नुस देवारा का नुस लजला

सिंहों की चौकली की बार चौकल जबरान
एक साइड की तरफ अचक पड़ी-



ओहा
जबरान !
किस सुखीयन
में क्या दिया
मुझे ?

और ये पिछन
आप जकपी
कारबून नहीं
हैं ! अमली
सबिया हैं !

घबराओ मत
मित्र... भनकब...
साइडों !



इनको गोकुल
मेरे को... जो प
काम है

आ डचर्यजनक दृश्य था-

ओह ! मुझमें बकई
कुछ अद्भुत शक्ति
है ! लेकिन पुलिस के
काम में भ्रष्टा इन्कन
मुझमें कलन को लेका
है-

विरफ्तार कर
ले इन लोगों को !
और बाकी मुपर
हीरान की तरह
इनको भी जेल
में डाल दो !

अच्छा ! यारी
गुकी मुपर हीरान
केड में है !

जायद के मुकामी
अमरियन नहीं
जानें, इसीलिए
कानून के हाथों में
गड़कर वे मुकामी
बान बना रहे हैं !
बर्बा जेल से बाहर
निकालना उनके
लिम पयक
अपकसे जैसा काम
है !

और फिर एक डआरे में ही जमीन टनटन की आकड़ों से गुंन
इसी-



पर हम जबरन
के मुझ कानून
के कठ पुनसी की
भरत नया रहे ही !
और इसीलिए हम
मुकला मुकला
करते !

साइडों !
अब मुकामी
बारी है !



ओ. के. छोटे
सोमराज! अब
देखो साइजो के
दिमरा का
कमाल!

ये! ये अमलज कैसी है?
लगाओ कि जैसे कि कहीं कोई
इक भयानक हुआ हो!



हो! मही मही
या हो मही! ये दूरी का
कार मही है!



बस इसमें इंजन
मिनी ट्रक का लगा हुआ
है! और हाँ इसमें
कंप्यूटराइज्ड सफ़र
रबर बुलेट शॉल और
मुलहोजर मोड़ जैसे
यंत्र भी लगे हैं!

और इसमें अब
घोंटों को साइजो
कैलोल कर रहा
है!

अब
बाद!



कैसे बचें? ये कार ल
जैसे इसमें देखने में रही है
जिधर जाओ, उधर ही घूम
जा रही है!

मुझे लो मही मही
रही है ल मुझे लो मही
बुलंद भी मही मही
है!

मिथल
दिनी हो
मही है-

अब सुपर किंग और
छोटा नारायण अलग
आसने थे-

सारासा है मुझे तुमको
अपने हाथों में था तो
सिरकदार करवा पड़ता
और वा किर... एव-स
ऊठता पड़ता



यह तो
मस पर ही
बजायगा!

फिर हाथ
तुम मुझसे
पद बनाते
कि...

... लड़ने में
तुम ही

नारायण, मुझे सारासा
है कि तुम कुछ अकल में
आना जानने हो। विरक्तता
बोना आइ-विज केसिम
केसिम पड़ता

तुमको सारासा
ही पड़ता



आइ-विज... बंदन लोके
है कम बंदन लोके... और मुझे
ही है

मुझको ही
मस पर ही सब करना
पड़ता

तो बंदन ही
मेरे और डकिल-डकिल
ही!



कुछ ही करवा
बचो! आने मेरा अंत
विजित है!

सुपर किंग जो
कोड़े नहीं गक करता
ही अब अकल-पकेल!

मेरे सम्मोहन
के बंध में आने ही
मूकहाजी जीभ अपने
आप हिलाने लगती



आह, सम्मोहन!
हमका हाथ और दिमाग
में भी अगर है,
बंद



मुझको भी
सम्मोहन चलाया
आता है

अब इस हल
मुझको और
शक्ति लगानी
पड़ेगी

दोनों प्रतिद्वंद्वी
एक-दूसरे को सम्मोहित करने की कोशिश कर रहे थे-

छोटा नागराज का पूरा ध्यान सम्मोहन चलाने में था-

और अदुभट की वही कमी उसके लिए जानमेदा सिद्ध होने लगी थी-



रुबंद के सिस्वर पर लकी लकड़
नेजी से जीचे झुकी-

क्योंकि वह यह नहीं देख रहा
था कि हथकड़ियां टूट चुकी हैं-

और सुपर किड का हाथ बिजली के
संभे पर बढ़ता जा रहा है-

और बिजली के नेत्र भटके ने
छोटा नागराज के पूरे दिमाग
को हिला डाला-



हा हा हा!
सुपर किड
पर दोब जान
सुपर किड
के बचने के
बहु धन के
या बल

अब मेरी आंखें
मेरे जूते के नीचे
हैं।

बहुत बचपन छोटा लहराव की
सोस की नली को नौक़ हलकने
के लिए काफी था-

लेकिन उससे पहले ही-

मृगश की धमकियां दूर बढ़ीं-

अब, छोटे लहराव

अब, छोटे
मेरा मित्र

और फिर वह काग़ आधर की राहवाहों
में रास की गई-

वा का वा का
नर आका की
आजों के कल

अ. अ. अ.
मि. मि. मि. का रंग
म. म. म. म. मि. मि. मि. मि.
मि. मि. मि. मि. मि. मि. मि. मि.

अब हम क्या करेंगे ?
अब किसी सुपर किंग के
पास भी हम न के हमारे
हमारे से ही समझ जमान
कि हम ही खोजा जायेंगे
और साइडो है !
बहुत डरेनी बेट है !

मद में लोडिंग शुरू !
किरादारों को मुकदमों
जाना है ! कल से जहां
सुपर किंग टीका फिर
मेरे पीछे पड़ जायेंगे !

बस मेरे
डरका क्या बिगड़ा
है !



मेरा टीचर
बोले : बस !

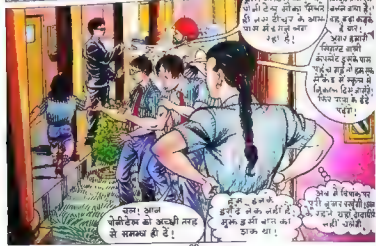
यस
+ का ?

तो भी मुझे
सुपर किंग है न ?
हम इस पर जबर
रख सकते हैं ! कभी
न कभी बह भुंसी
बुक जबर करेगा जो
हमको या तो लावारण
जक पहुंचा जक या
उनके सेही डरने
बना जक

युद्ध आइडिया शुरू !
हम इस पर जबर रखेंगे !
अपना मुकुट रखना शुरू
मेरे मुकुट पर का जका !
ओ.के. !



इन



और फिर-

चार गैली ! नूने मुझे
जाने जोडिंग की न ये
पोली टेक मोका सिमर
ही नम टीचर के आग
पास में ब गले बना
रहा है !

मैंने मुझा है
किबु रिमिषन
बनने गया है !
वह बहा कबके
है चार !
आज हमारी
मिहगट लगी
कंपाउंट दुमके पास
पहुंचा मुझे तो हमस
मेकेंड में मुकुट में
जिकल रिम जोडेंगे !
फिर पाया क ईटें
पवरो !

चल ! आज
पोलीटेक को अच्छी तरह
से समझ ही दें !

हम डलक
इसी दे लेक नहीं है !
मुझे इसी बात का
आक था !

अब मे विधांक पर
पूरी बुलार पवनी !
मेरे गले चहुं शवाधि
नहीं चलेगी





मैं भी आती हूँ, बिचकूँ।
न उनका सीधा नहीं है
जितना दिखता है।

हैडमार्टर नंबर १-

४-०० प।म.

हमको यहां पर
बुझाया क्यों गया है ?
मैं व जने किजनेहुंछे
काम भोवकन यहां
पर आया हूँ।

हमको ते जोरिका
से बांधा पहुंचते मैं ही
जसीम उठे बंधा
लेकिन् भुक्त बुझाया
गया है तो चला
जकरी ही होत।

हम को आगद
पहुंछित की हेमिग
ही जकरी।

हेमिग नहीं
बढ़ जकरी
सीधे हलारी
जकरी में चढ़
कर ही जकरी।

वस कहां
म आया हूँ ?

या, यहां पर म
मैकडों मुपर किडने
आर किनी न हलका
पहुंछान लिया तो कुत्तों
के बचाने लायक
हड़ि बंधों भी नहीं
बचेंगे।

बुझ रहा मुझ, यहां पर
मुपर किडन मक-बुझने को ही
ठीक से नहीं पहचान रहे हैं। हमको
कौन पहचाने ?

वस मुझ
अपना पसीना
चेंधने रहे।

कहीं इन लोगों ने आत्मा
को गार तो नहीं खोला ?

नहीं! वह अभी
जिन्दा है! मैं इस बात
का गह्वर कर सकता
हूँ!

प्रक्रिया शुरू हुई और

ਅਰੰਭ :

क्या ही जग
है साधुजीन ?

अब मुझे! मैं स्वयंसेवक,
अग्नि का प्रयोग करने, दीमकेमोहिलों
के गरिम रक्षाहीनो के, दिमाक़तक,
पतुंचोंब: और तुमके, दिमाक़ में
होरीहीरो की सारी ज़ब्तकारी
को ही भाग्य कर दूँगा।

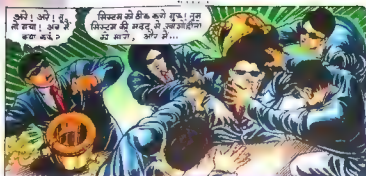
किन्तु ये सुपुत्र किङ्कर
उस जननी की और घमक कला
को कभी नहीं भूलेंगे।

आइसक, सब बड़ा है, मुझ, उम
कहाँ डाकिये मेरी पसली, अकिये का
ऊँ बहाव को बाहर, दुँ कउ उमे
मेले मे गोक रही, भएत केल
है, होवा

वह मुझे टूटने की कोड़ों
कर रहा है अब मुझे सब ओहोनों
की संसारी को नहीं, बल्कि इस दुःख
सांझिक, गंध को जल कर रहा है।

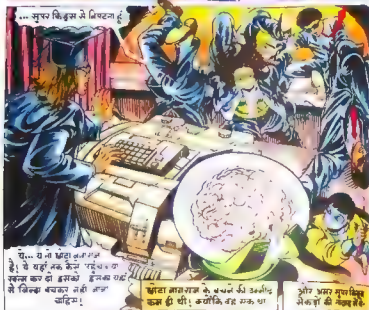
और मैं मारी शकुन्ती
 वहाँ से जाऊ हूँ ही।
 क्योंकि वह दमिसेवांगी
 मारी जाना चाहते थे।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 श्री गुरुभ्यो नमः
 श्री गुरुदेवाय नमः
 श्री गुरुदेवाय नमः



अरे! अरे! वृ...
ले गया! अब मैं
क्या करूँ?

सिस्टम को ठीक करने शुरू! नून
सिस्टम की मदद से ज़ाउरीनी
में सारे, और मैं...



... सुपर किड्स में लिपटना हूँ

ये... ये तो छिटा का मज
है! ये यहाँ तक कैसे पहुँचा?
सब्स कर दो इसको हटाना यहाँ
से ज़िन्दा बचकर नहीं सज
सहिष्णु!

छिटा जगन्नाथ के बचपन की उन्नीस
कम ही थी! क्योंकि वह एक था

और अगर सुपर किड्स
मेकर्स की नज़र में है

लेकिन सुपर किहूज की हो
कमजोरियाँ उसे पता चले चुकी थीं

वे थोटा का कुर्बान मजबूत
कर सकते थे-

और बेहोडा हो सकते थे-



साइडो थोटा नाबालक
का इलाका जगह जगह था-

ये सही था, मेमोरी ट्रांसफर करने
के निपटारे का केन्द्र है! ए.ए.ए.
याही सेंटर प्रोसेसिंग यूनिट! इसके
आवर में ठीक कर सकते तो काम चल
सकता है!

लेकिन थोटा नाबालक के स्मिथ
जान बिसादनी जा रही थी-



सुपर किहूज तो समूह
की गहरों की गहर आते
ही जा रहे हैं!

मक मक मक मक
रह कर हमका मुकाबला
जहाँ किया जा सकता!

मकमक
और मकमक
पहले!



कहीं हमसे
बरकर आऊ तो
नहीं रात?



और... वहाँ
पर भी है!

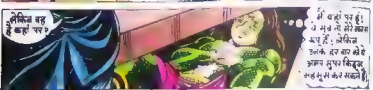
मैं सच कहूँ
मैं वहाँ पर है और
मैं वहाँ पर है



वहाँ भी है,
किडन

असंभव!
वहाँ नहीं हो सकता
है!

इससे मैं सिर्फ
मैं ही असली
छात्र हूँ



लेकिन वह
है कहां पर?

मैं वहाँ पर हूँ!
वहाँ पर मैं ही असली
छात्र हूँ! लेकिन
उनके दरबार में
आकर मुझे किडन
मैं ही कर सकता हूँ!

अब सुकाबला बराबरी का हो रहा था -

ये हमको पीट ले रहा है लेकिन हम इसको धुं भी नहीं पा रहे हैं, क्यों ?

सब प्रक्षेपण! तात्कालिक प्रक्षेपण!

और तात्कालिक प्रक्षेपणों को नष्ट करने का तरीका हमको मिल गया था है!

हमको सेंट्रल कंट्रोल की सब येसी फील्ड पैदा करनी होगी, जो छोटा नागगज के सातस कर्णों को अपने अंदर खींच ले!

छोटा नागगज के सातस कर्ण कुलकुलों की तरह फटने लगे -

और अभी भी छतार में दुरे छोटा नागगज को हम बेदम घटलकूम का स्वागत नहीं हो पा रहा था -

अलखिलम खबर उसकी तरफ बट रहे थे -

हमका सड़क ही सड़क नहीं हो पा रही है

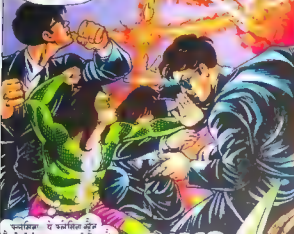
ये सड़क ही सड़क नहीं हो पा रही है

और कोई उस खबरों की तरफ बट रहा था -

ये आग के गोले क्यों से आ रहे हैं ?

ये आदम फ्लेमिंग उसने
नहीं है, जो मुझ सबकी मौत कर
कर तुम्हारे मित्रों पर मंडल
रही है

ये क्या हो रहा है ?
सुपर किंग्स ने जीने
आत्म हो रहे हैं। वेने
ने सिस्टम पर काम
द्वारा प्रिंजल बनाये
पढ़ना आसानी ! इससे
रोकना होता ! और
फिर हाथ डमके कि
यह ही डायमंड रोक
मकाना है...



फ्लेमिंग! ये फ्लेमिंग अदम
है जो मेरी मदद कर रही है और
इसको कैसे पता चला कि दुश्मन
मेरी मदद करने के लिए यहां
पर आया है?

और न ये क्या संभव
था कि एक जो सीक को पकड़ने
उठा, दुश्मन का सारा पद रखा है
मुझे यह पता चला

रखी आ रही थी।

यह है



यहां है वह जिसने
मुझसे दिसा में करीब न
को मिलने की कोशिश की
थी। छोटा लड़का!

तो स्वाड़ी ही तो
इसको मिटा दालेगा!

य काम इनका
आसान नहीं है,
मम जी की ने

मेरा सजाक इहारा
है, मे वरी मुंही उहा
इतना

यहले हुं नो
लो कि में कहा
44 00 7

आ 555 है!

नरो य
चाप मेरे साथ
नहीं चलेगी!

मेरा इतिहास नो इस मही
का सब से बड़ा दु-खरा
आफे दुर्भाग्य है कथी-
एक वह केवल इतिहास
में नहीं लिखेगा...

जबकी ध्यान में बाड़ हूँ
कल्पितों भी हूँ मेरे पास
में निकर करीब में नहीं,
दिनाग में भी सावना हूँ।

यानी अब हमारी
लड़ाई का दिनाग नहीं,
अधीन नय करेगा।

अगर मेरे हाथ
में ही सकल जगत्
शोनी हो मैं नृपति
ये लड़ाई कुछ ही
मिनटों में जीतवा
दिनाग होगा।

तो फिर फलेमिला
मे लड़त सांसे छोटा
जासगाज

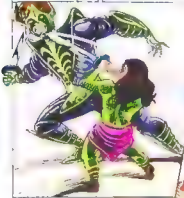
ये रही
सकल जगत् की
नयदाय।

यैकपू फलेमिला!
तुम्हारा सहस्रजन मुझ
पर आधार रहा।

तब कारवाजी का वह मुकाबला अद्भुत था-

सब तरह सब सधे हुए अद्भुती कथित के रूप थे-

आहिर था कि मुकाबला सब तरह था-



और दूसरी तरफ सब सेना बढ़ रही थी, जिससे अभी अभी मुपर हीरो का विश्वास पहला था-

छोटा जागराज अकेला था ही नहीं-

लेकिन आजी हीरो को सन्तान आना नहीं है-

सब ही हीरो ना नरक काट दामन-

फलेमिज को छोड़ और अपनी मोच बढ़ो-

आइस है



नलबाप दो दुकदो में बंट गई-

और अचानक गर खोटा
समय का वो दो दुश्मनों में
बाँटने लगता था -

लेकिन समय उसी हीने
का पूरा हो गया था -

तेरा समय
पूरा हो गया,
खोटा मारागा!



समझे तो अपना
समय पूरा कर
दिया था -

साजीरीनो का दिमाग एक बार फिर
'टांसमेसोरीटो सिस्टम' से जुड़ा -



और...
मुझमें समझ
हुआ कि मैं सब
सबसे शक्तिमान...

सबसे कमजोर
जंगल में रह कर
मैं ही है पाया है...



हे... ये तो
अचानक हुआ!
पर कैसे?

थोड़ी सी शक्तिशाली में मैंने
मुझसे सिस्टम में लगाने के लिए
अपने साजीरीनो के दिमाग में से मुझसे
वो मेसोरी को निकालकर, धार्मिक मेसोरी
आम ही है!



और अब मुझसे भी
यही होना होगा! मुझसे
दिमाग में हम सब की
मेसोरी भर देंगे!

मंछे ही!
मैं ही!

नहीं कि वन आ
कि व मुपु कि व का
वक्तव्य क्या है?

श्रीर रिकॉर्ड
मी ही की सख्त
पात्र हो गया-

और फिर-

सुपर किंग तो अब
तब तक अंदर बंद रहेंगे
अब तक ये दरवाजा नहीं
खुलना!

और अगर
उन्होंने ये दरवाजा
खोल दिया
तो ?

और मुझको मर
मेरी अनाह का पना
है!

आओ,
मेरे साथ!

तो दूसरा
नया दोस्त खाशोहीने
तो डलको करी आने नहीं
देना!

अब इस डील
का क्या करें ? पुलिस
के हाथों पर है ?

प. राहों में तो इस
घटना की भयंकर गुरुन इसके
घटितों तक पहुँच जायगी
हमसे कम दूरे होने तक
केट में रहना पड़ेगा

तुमको पूरा यकीन है
कि डील इस खोखले तले
में बाहर नहीं निकाल पायेंगे ?

जिस केट में वह
अंदर जा रहा है उसमें
बाहर भी तो आ सकता
है!

जहाँ
आयगा!

वे आप उसकी
पहले दारी करेंगे

कमाल है! अब
मुझारी बात
मानते हैं! पर
क्यों ?

क्योंकि मैं
छोटा जाऊँगा
है!

पर तुम
कौन हो ?

एक एक करके
पहलियां मुलाभ्यो
छोटा, मायागल!

पहले
सुपर किंग
की और फिर
मेरी! बकी!

और फिर-



यही है वह अनाथलक्ष
निराशा पता हीन ने हमको
दिया है। ये अनाथ में एक
सीनेट कारोबार है जहां पर सुपर
किडन की स्पेशलिटी करने उनके टिम
में पूरे इंटरनेट का जाल भर दिया जाता
है।

इसको अष्ट करने में
मभी सुपर किडन अष्ट हो
जससे क्या, खोटा नजारा?

यह तो बना फल मुक्ति
है। पर यह पक्का है कि और
सुपर किडन बनने बंद हो जाये
और फिर हमको हीन के पक्षों
में भी तो लिपटना है।



हीन के अनुसार
जाहिरान भी यही
कहीं बंदी है।
और हमको अनाथ
हमका हमारा पहला लक्ष्य
है। अथवा जाहिरान अथवा आ
जहां तो सुपर किडन बैने
ही बनना हो जायेगा।

हीन है। नेटम
स्टार्ट ऑपरेशन और
सुपर किडन!

जिनाद, मत
माइनें; कहीं
यही पकड़ लिए
जायेगा।

ये फिजिकीय
ही गैड के लिए
असंभव कर रहा।

अज्ञातमय की आँख में
घूमने वाली उस मुद्रा
सिंह के अंदर-

हीन फेन नहीं उठा
रहा है। कुछ गड़बड़
है क्या?

गड़बड़ तो हो ही
गयी सकती...

... ये तो भागपाड़ा, क्योंकि
इस बहुत पुरी दुनिया में गड़-
बड़ी फैलाने वाले दो लोग
तो यहां पर बैठे हैं: मैं और
तुम!

फिर भी गुरुदेव! जब
औ तुम दुनिया पर राज करने
वाली स्थिति में बसने हो, तब
कहीं न कहीं पर गड़बड़
जकर हो जाती है!

इस बार ऐसा
कोई साँस नहीं
है, भागपाड़ा
क्योंकि हमारी
छो जमाओं को हर
बार नष्ट करने
वाला डाकस तो
इस बकत हमारे
सब पर ही
जिन्दा है!

चाहते तो कहो, गुरुदेव
मुझे तो किसी गड़बड़ी की
आज्ञा हो रही है!

हीन जकर
किसी से पिट
रहा है!

सक तो हीन को पीटने
वाला कोई डारुन अभी धरती
पर है नहीं! और अगर हो भी,
तब भी वहां पर सेकड़ों असल
मुपर किड़-अ मौजूद हैं! उनके
रहने हीन को अमेरिका की सेना तक
बुझाई सकती है: नू हमारे कार्र में
रखान है!

दुसरा काम अब
बैठा ही क्या है,
मुकदमे ?

क्या है व : देख : मुपर किडन
की ये अखिरी स्पेस तैयार हो रही है !
और ये तो तुमको पता ही है कि ये स्पेस
मेरे शरीर की असर कोशिकाओं से बने
कलोन हैं ! इसीलिए इनके अस्तित्व की
नज़रें सिर्फ मेरे अस्तित्व की नज़रों में
सदा रक्खी है !

और मेरी नज़रों को इनकी अस्तित्व नज़रों में
तो दूना सेरे धनों का काम है, जैसा हमें पता,
बाद ये मेरे गुणक बन जाते हैं,



अधिक कम
साद नु सब यह सब
इनमें से किसी भी मुपर
किड के अस्तित्व को
आप डो दे सकत है कि
बहु कम शरीर की
कोशिकाओं से बने
कर है !

और ऐसा होने ही न
मुपर किड तब तक न
जायगा

मुपर किड की किडनी
सिर्फ न ले सकत है,
इसलिए ये दुनिया के अस्तित्व
है, पर नु दुनिया अस्तित्व
है !

शादी अब से
असंभव लगाना आ है,
कह, मुकदमे, बाह !

अरे, रबतरे का
असल कर्णों बज रहा
है ?

जैसे सुर्ख गुलाब
पर घुमने की गंधा
कर रहा है ?

ये तो धोखा था ब्रह्मा
और हमके साथी हैं।
इन्हें यहाँ का पना
करने वाला ?

देखा, मुझे ?
इतना ही है ?
न ?

तो फिर मुझे इस समझ को
नहीं तोड़ें के खुद से बंटा
करना पड़ेगा,

जन्माद के हाथों से हमारे
के भिर तैयार हो जाओ।

अरे ये चिल्ला
बुलबुल का अला कण
मुकामला करोगे ? इनके
भिर में तैयार हैं !

न आकर 'बुल'
बुल' देख कर बैठ
और अपने दिमाग का
अपक, उस मुझ
किडन में जोड़।

" तब तक मैं इस भिरों
को मुकामला देने के भिर
अपने मुकाम को भेजना है "

ये गरीब लैडीसों
पहरेदार ! अब समझ
सफ है

ये कर्तु तरके
छोड़ें को जोड़कर बलबल कण
सक यथिक, मिस्टम कण
है ! इनको बलबल कण यथों
का सहाय कण लताक है !
वे यंत्र जन्माद सच में
सक लताक कण यंत्र है !

भेरी आस कण ली
भलबल कर सकती है ! मुझ
देतो पीछे हटो, और
पहलेभिर को जन्माद कण
कणते ही !

हाथों से ?
स हाथ हैं
कण पर ?

ये कण
भिर है कण
जन्माद ?

इसका भिर-पेर
कण है, कण
भी जन्माद, मैं ली
आ रहा है !

'जलपाद' के चरों से बचती हुई फ्लेमिंग के कार्डबोर्ड कार मशीनी सतह पर बरसने लगे-

और मशीन के कई हिस्से आग की लपटों में फिरे लगे-

देख, जेब
साफ़ है। मुझे
मिले जलपाद
को खतरा
कह रहे थे उसने
फ्लेमिंग ने पानी
दे दी

नहीं!
जलपाद सचता नहीं
साबता है!

फ्लेमिंग को वह
नोका नहीं मिला-

जबकि जो
गया जलपाद!

आहा, इसके अंदर
आज बुझने वाली फ्लेमिंग
सिखेंबर भये हैं!

मेरे ससुरारों
इस बार मैं हूँ सिखेंबर
का ही पंचजन दुंगी

'जलपाद' ने उसकी आग को ही बुझा दिया

और फ्लेमिंगा (मर्दाई)
से साहज हो गई-

आह

धड़ाक

अब तुम
क्या करेंगे, खोला
मरगाज ?

तुमके अंदर
तो कोई ऐसा
कंप्यूटर जैसा
भी नहीं है जिसे मैं
बदल सकूँ।

ये सिर्फ एक मशीन है।
साइजो, और ऐसी मशीनों
को तो तुम बचपने खेले-
खेले में ही तोड़ सकते
हैं।

ई 555
मेरे बाप !

ई 5555 ! ये बाप ! तुमको
जिंकले में जकड़कर तुम्हें
तोड़ रहे हैं !

लेकिन-

अब क्या
करेंगे ?

और ! तुमने मेरे बाप
काट दिया, ये तो हत्यारा
मेरे जैसे होकर आया है !

तुमको
तोड़ूंगा !

अपनी साइबिक
शक्ति से !

पर ये तरीका भी
कारगर सिद्ध नहीं हुआ-

साहू! इसकी मेटल की
बाहर बांधी मोटी है! इसको
मेढ़रे की कोशिश में तो मेरा
दिमाग ही टूट जाएगा!

मैं तो कपड़े की कमी
जानसाल की है-



हा हा हा! भूटा
सागराज की राधा! अब बच
नीसरा खुला बचा है!

उमके बाद ये
नीलों की सागराज के
साथ भर्त्सना!

जक
अपराधसे

छोटा सागराज!
तुम ठीक तो हो
न?



ठीक तुम ही
हैं, अभी तक
आँसू नहीं है
दुआ की नींव
और जगह
होने कभी है

उमके अतीत है! तो
न जगह सकनी है, व जग
सकनी है, न दूर महमूम
करनी है और न दूसरे को
म दूद सकनी है, बस
उ... अल्ल

अब इस 'हास्य'
क क्या मतलब है?

फनसिजा तुमको
ये मेटल गलाकर
एक चीन्हा बनाली
है!

गलाकर! पर
मेरे पास बहुत कम
शक्ति बची है,



सागराज!
अब मुझे...







ओह! ये बच्चे हैं
कौशल! ये अगल
ऊपर तक आ गए तो
इन्हें ज़ख्म कर
देते!

देखना मुकदेव! मैं
न कहता था कि...

धुप! मुकदेव
धुप!

तु धरम कन्डिशन कर
अपने दिमाग का इन सुपर
किंग के दिमागों से मेरेक जाहू

और उन् मीन
डोनाल्ड को गोकुले का ब्रह्म
मूर्त पर छोड़ दे!



ये वहाँ से
जिन्हा बचकर
सही जागते



गुप्त लैब का
मुख्य द्वार-



उस गुप्त लैब को
नहीं सकत छ-



निपट करन छ- होटल अंतर्गत-



CALLING
SUPER
KIDS...



आओ, निम्नो
वही वेर ब्रह्म की वहाँ
नक अने में!

बुद्धिजीवी ने
मिस्ट ऑनोपर्स
का

ये... ये तो
सुरुदेव है! और
इसमें जादूगान की
बंटी बना रहा
है।

और अगर ये यहाँ
पर है तो जादूगान भी
यहाँ पर जाकर होगा।

यानी हीन के दो
गहन्यमय अद्वैती
वर्ती बने हैं।

पर अब तहाँ
अब नुलकी पहलू हम
केटोस करेगा और लट
में कटुन जाने

बू बू नू! येभा
सोचता भी मन! क्योंकि
इस बुद्धि जादूगान की जान
को मैं कंटोल कर रहा
हूँ।

एकवक्त्र
अभी जन्मे, दो
दोनों ही इस बुद्धि
सुपर किडन के
माध्यम से पूरी
बुद्धि का कंटोल
कर रहे हैं।

नुसहारी मुक छोटी
भी हरकत में मैं इस
कंटोल के माध्यम को
और गिरा दूँगा, और
जादूगान का बदल कोच
के बिज्ञान की तरह दूर
जायगा।



और अब रही तुम तीनों
को मौन बैठने की बात तो उधर
देखो! यमदूतों की टोली
नज़रों से जाने के लिये
दरवाजे नक आ चुकी है।

ओ! सुपर किड!
ये सारे तो हमें! अरे ये
तो अभी-अभी हमसे
पिट चुके हैं!

पर इस बार तुम इनमें
बिंदोरो! क्योंकि अगर तुमसे फलट
कर इन पर बाघ किया तो नाइलाज
सारा जायगा!

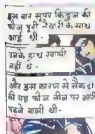
और ऐसा
में ज़िफ़ सक बरन
दबाकर कर सकना
है!



यह तुम नहीं
कर पाओगे दुश्मन!



अरे! मेरे दोनों हाथ भुज्ज हो
रहे हैं! बटन दबाना तो दूर, मैं
इनको हिलाना नक नहीं पा रहा हूँ
यह नकुर छोटा नाइलाज की
कारकलाजी है! खत्म कर दो
इस!



इस बार सुपर किड्स की
फौज पूरी मैक्री के साथ
आई थी-

उनके हाथ ग्लासी
बर्ही छ-

और इस कारण से सैकड़ों
की यह फौज सील पर अली
पड़ने वाली थी-



साइबो! इनकी मैं
और फलमिला लेके
तुम आकर इस सिस्टम
में टुंढकर ज़ब्त करो
त्रिममे जय सुपर
किड्स पैदा किस
ना रहे है!

आ-ऊ-
और यदा से अखन
के बिजि रौकम



ओ, हेन! मैं
अपने आपको सुनीवन
मे बचा हुआ मजकूर रहा
हा, लेकिन वहाँ पर तो उन
सुनीवन की जगह है

वे जकर लड़कियाँ
ही होना, पर वे जीवों
में बंद सुपर किडन के
साथ कल कर रहा
है?

पास जाकर देखना
है, वहाँ इसका
सुपर क-अप ही मिलेगा



ओहो! सारा कल इस
मशीन के जरिये हो रहा
है! और इसके अनुसार
साराका, सुपर किडन के
ब्रेन को कंट्रोल में ले रहा
है! इसमें बहुत सारे 'सब
देवता' भी लिखे हुए हैं।
'ओवे, फाइट और इन्स्ट्रक्ट'
वाह! अगर मैं 'इन्स्ट्रक्ट'
अपना ले लूँ तो क्या
होगा? देखते हैं!



'इन्स्ट्रक्ट' अपना ले कर
लिख कर रहे हैं-

अरे! सुपर
किडन तो पिछा
रहे हैं! सबको
नष्ट कर रहे हैं,
यानी साराका
इसको नष्ट हो जाने
का आदेश दे सकता
है!

मैंने
कल दो रातों
किडन की है
रचकन?



ये! तु... तु तो साइड्रो
है! थोड़ा जाहज़ अ की साथी
तु यहाँ मक केम पहुँच जहाँ
और... और तबकी केम पना
चला कि ते गुँधर किनु अ की
बाद हो अ का सार्वमिक आर्टिड
दे सक ना हु? अर मक! मक
नहीं!



साइड्रो जिधर भाग रहा था उधर
स्थिति और भी गंवार थी-

हाथ मूज ह तो
ककाभी छोड़ी में बंद
दक फेला; और बंद
वकने की भागमज को
के गुड़घे की नरक दुट
भागला; ही ही की!



ओफ़! गुरुदेव
छोटी में बंद की दक
जा रहा है! उसको
मोकना होशी!

फर्नेसिया: मक की
चला है गुरुदेव को
रोकने का दमक
तब की भाग रही

तब कर्ने
मेर, जिया
नम कहे



पानी की मोटी धार ने फर्ने को तालाब में
बदलना शुरू कर दिया-

मुझे हवा
में उठाऊ
फर्नेसिया!



अब क्या?

यै!

चला य
काम भी कर देगा
तु!

केबल दूरकर पानी के तालाब में शिरा-

अप-

अरे, जहा! ये सही बिजली का कटका गडकड़ एक जगह पिर रहे हैं! तुमने तो वह लड़ाई एक कटके में जीन ली, छोटा जगमगात!

जही! लड़ाई अभी खत्म नहीं, जगमगात ओ! हुई है: मुस नीजों की से न के लड़ के खत्म होके



छोटा जगमगात! मुझे किङ्कज को जगमगात ही अपने ब्रेश में कंठोले कर रहा है, इसका दिन तो सोरे मु। किङ्कज में मुड़ा हुआ है; यह मुप, किङ्कज को अपने आप को जगमगात की लड़ाई में आदता भी द भक्तता है।

एव मैं जगमगातों लकड़ा ? दे रही। मुप किङ्कज में अपने आप को सभ्यता दिया है। अब तुमके सामने न कुछ भी नहीं कर जगमगात छोटा जगमगात।
कुपय ये मुस जगमगात को सोरे और दप, मैं इस सोरे की रजि यदकेंस।



अपना सभ्यता, उकिनयो को प्रयोग करो। वही ये मुप किङ्कज हमको जितता नहीं छोड़ते।
ऊँच को छोटा जगमगात।

अब ये संभव नहीं है,
फ्लेमिंग! सुपर किडन ने
मिलकर एक विडाल 'सेंटल फ्लेमिंग'
बना ली है! और ये पीकड मेरी
सांजमिक अग्नि को सोख सकती
है!

फिर तो हमारा आंत सामने
है छोटा सागराज! क्योंकि
मेरी अग्नि का भी अब
हल्की होटी जा रही
है!

लेकिन इन विपरीत परिस्थितियों में भी
छोटा सागराज का दिमाग तेजी से चल रहा था-

सुपर किडन को
सिर्फ सागराज ही
उबसा कर सकता
है! और वह भी
एक सांजमिक
आदम देकर!

क्योंकि उसका विडाल
अब सुपर किडन से
मुड़ा हुआ है! पर
उसका सेना कुरुने के
विपरीत सजबुर कैसे
किया जा सकता है?
कैसे?



छोटा सागराज और फ्लेमिंग के सामने
सुपर किडन का असुद्ध रवड़ा हुआ था-

जान बचा पाता असंभव था-



हां, सचमुच!
ये काम होना पड़ेगा!

और चंसा पलटने लगा-

अगले ही पल 'सुपर
किडन' के काले चश्मे
टूटने शुरू हो गए-

और साथ ही साथ
छोटा सागराज की
आंखों में भी तीव्र
संज्ञाएं तेज तेज लगी-



अरे! ये... ये क्या हो रहा है!
मेरा डरीप हाथ रहा है!
पर कैसे?



क्योंकि नुस सांजमिक
नरंगों के द्वारा सुपर किडन
से जुड़े हो!

और अब इनको
सम्बोधित करके मैं इनके
दिमागों के द्वारा नुम्हारे दिमाग
को यह आदेश दे रहा हूं कि वह
नुम्हारे डरीप को मारेंगे!





वाह! फ्लेमिन्ग की शर्मी इस लिक्विड को गार्ड कर रही है! नागराज फिर भी जीवित हो रहा है! अब वह बच जाएगा!



यारों तरफ राह! सा दूब और मुपुन किटन की पोशाक फैली है!

और फिर -

पूरी दुनिया थकित है कि
मगर मुपर किडन एकदमक असे
कहो वसु ? कुछ लोग तो एकदम
और भी थके ! कुछ उदास भी
हैं !

लेकिन ज्यादातर लोग
सुछा हैं ! क्योंकि मुपर किडन
मे उनका हीन मुडिकेस का
दिवा था !

दे ड ड !
नयून में कुछ
बनाया जा
रहा है !

अपुष्ट सुशों
के अनुसार सारी
मुपर किडन सुष्ट
हो चुके हैं ! और
यह काम तीन
किडन मुपर हीरो
छोटा नाराज ,
जाडू और
फ्लेमिंग के द्वारा
किया गया है !

मुपर किडन केपड़े
मे हुल के बाद अब
उनके द्वारा किडन वसु
कई छोटासे भी
मांसन आ रहे
हैं !

छोटा नाराज ?
ये छोटा नाराज कौन है !
जिसने मुपर किडन को गिरा
बाप ! वह मासुमी बच्चा नहीं
हो सकता !

आखिर
वह है कौन ?

ये फ्लेमिंग
कौन है ?